दैनिक

FAC NEWS
फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल
"SPEED MULTI"

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : १० | अंक:५१ | मुंबई,सोमवार २९ जून २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

भिवंडी में रीपैक कर बिक रहा था एक्सपायर्ड सामान, FDA ने 52 लाख का स्टॉक किया जब्त

एफडीए ने भिवंडी में अमेजन रिटेल वेयरहाउस समेत 8 ठिकानों पर छापेमारी कर एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों के

अंतर-राज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई में आशीर्वाद, फॉर्च्यून और गुड लाइफ समेत करीब 52 लाख रुपए का एक्सपायर्ड खाद्य स्टॉक जब्त हुआ। जांच में माल की एक्सपायरी डेट बदलकर रीपैक कर बाजार में बेचने का खुलासा हुआ। मामले में अमेजन वेयरहाउस का एफएसएसएआई लाइसेंस तत्काल निलंबित कर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। खाद्य सुरक्षा आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देश पर एफडीए ठाणे ने भिवंडी में एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों के अंतर-राज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। जांच में पता चला कि बड़ी ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक कंपनियां एक्सपायर्ड माल अनधिकृत स्क्रैप एजेंसियों को सौंपती थीं।

ये एजेंसियां माल नष्ट किए बिना केवल कागजों पर 'फॉल्स डिस्पोजल सर्टिफिकेट' तैयार करती थीं। इसके बाद उसे भिवंडी-मुंब्रा के अवैध गोदामों तक पहुंचाती थीं। वहां एक्सपायरी डेट बदलकर आशीर्वाद, फॉर्च्यून और गुड लाइफ जैसे ब्रांडों के उत्पाद रीपैक कर कम कीमत पर बाजार और होटलों में बेचे जाते थे। सहायक आयुक्त वाईएच ढाणे के नेतृत्व में अमेजन के सरवली स्थित वेयरहाउस पर छापे में करीब 1.5 टन एक्सपायर्ड व खराब खाद्य सामग्री बरामद हुई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरविंद कांडेलकर की शिकायत पर आरके ट्रेडर्स के मालिक रहमान के., अमेजन के फैसिलिटी मैनेजर सोमशेखर बसवराज कोन्नुर सहित अन्य के खिलाफ कोनगांव पुलिस थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया, जबकि वेयरहाउस का खाद्य सुरक्षा लाइसेंस तत्काल निलंबित कर दिया गया।

सऊदी अरब में हादसे का शिकार हुआ अरामको का हेलीकॉप्टर, 14 लोगों की हुई मौत; जांच शुरू

सऊदी अरब के रास तनुरा शहर में अरामको कंपनी का एक हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हुआ है। इसमें कम से कम 14 लोग मारे गए।

सभी लोग सऊदी अरब के बताए गए हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण लगभग चार महीने तक बंद रहने के बाद अरामको ने शुक्रवार को अपने रास तानूरा टर्मिनल पर कच्चे तेल की लोडिंग फिर से शुरू कर दी थी। दरअसल, सऊदी प्रेस एजेंसी के अनुसार, देश के रास तनुरा में हेलीकॉप्टर दुर्घटना का कारण अभी तक अज्ञात है और इसकी जांच जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक यह दुर्घटना रविवार को स्थानीय समय के अनुसार सुबह लगभग 6 बजे हुई है। इस हादसे के संबंध में सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया, 'दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा जांच शुरू कर दी गई है।' मंत्रालय ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मंत्रालय ने कहा, 'पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना और सहानुभूति है।

जानकारी के मुताबिक, हेलीकॉप्टर रविवार सुबह 6:00 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सऊदी अरब के खाड़ी तट पर स्थित रास तनुरा एक प्रमुख तेल और औद्योगिक केंद्र है और यह राज्य की तेल कंपनी सऊदी अरामको की प्रमुख सुविधाओं का आधार है।

NEET के बाद अब TET भी लीक! कब रुकेगा युवाओं के भविष्य से खिलवाड़?

क्या अब शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेंगे?

■ मो. सईद शेख

नई दिल्ली। देश की परीक्षा व्यवस्था एक बार फिर कठघरे में खड़ी है। पहले ऊँ परीक्षा में पेपर लीक का विवाद पूरे देश में सुर्खियों में रहा और अब महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (ऊँ) भी प्रश्नपत्र लीक होने के संदेह के चलते ऐन वक्त पर रद्द करनी पड़ी। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने लाखों युवाओं के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और सरकार की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 28 जून को आयोजित होने वाली महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (ऊँ) को पेपर लीक की आशंका के चलते अंतिम समय में रद्द कर दिया गया। इस परीक्षा के लिए 6 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। कई परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र तक पहुंच चुके थे, लेकिन उन्हें बिना परीक्षा दिए ही वापस लौटना पड़ा। महीनों की तैयारी, आर्थिक खर्च और मानसिक दबाव के बाद परीक्षा रद्द होने से छात्रों में भारी नाराजगी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ठाणे के सह पुलिस आयुक्त पंजाबराव उगले की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एच्ड) का गठन किया है। सरकार ने पूरे प्रकरण की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसे केवल पेपर लीक नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य की चोरी बताया है। दूसरी ओर, इस घटना से हजारों कार्यरत शिक्षकों की चिंता भी बढ़ गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने इन-सर्विस शिक्षकों के लिए अगस्त 2028 तक ऊँ उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया है। लगातार परीक्षाओं में देरी और

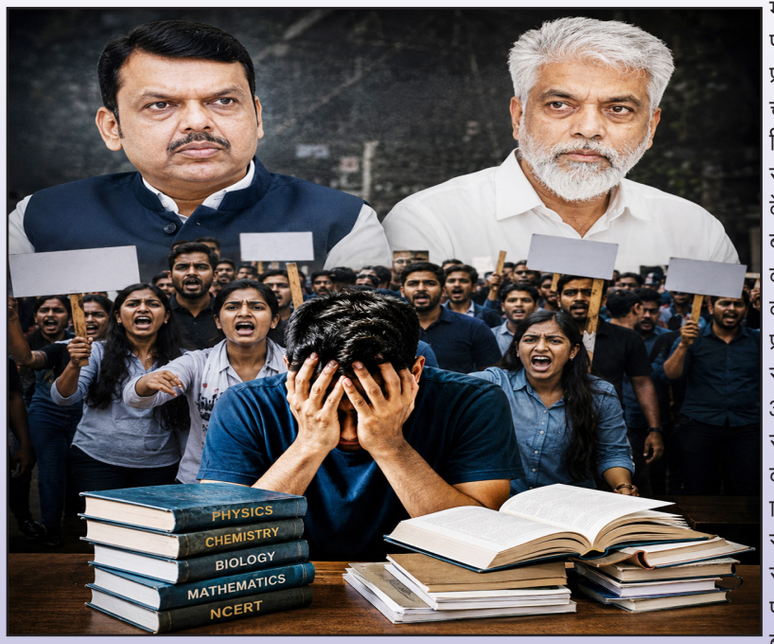

अब पेपर लीक की घटना ने उनके सामने समय-सीमा के भीतर परीक्षा पास करने की नई चुनौती खड़ी कर दी है। शिक्षक संगठनों ने केवल परीक्षा रद्द करने के बजाय पूरी परीक्षा प्रणाली में आमूलचूल बदलाव की मांग की है। उनका कहना है कि केवल रटंत आधारित लिखित परीक्षा की जगह शिक्षकों की वास्तविक कार्यक्षमता, कक्षा में प्रदर्शन और अनुभव को भी मूल्यांकन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। हालांकि परीक्षा परिषद की ओर से जल्द नई परीक्षा तिथि घोषित किए जाने की संभावना है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर बार-बार देश की महत्वपूर्ण परीक्षाओं के प्रश्नपत्र कैसे लीक हो रहे हैं? करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद यदि प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं रह पा रहे, तो यह व्यवस्था की गंभीर विफलता है। अब सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या देश में निष्पक्ष परीक्षा कराना इतना कठिन हो गया है कि प्रश्नपत्रों को विशेष विमान से लाकर सुरक्षा बलों के कड़े पहरे में रखना पड़े, तभी परीक्षा सुरक्षित मानी जाए? यदि ऐसी नौबत आ गई है, तो यह शिक्षा व्यवस्था के लिए किसी शर्मनाक स्थिति से कम नहीं है। ऊँ के बाद अब ऊँ पेपर लीक ने जवाबदेही का प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। जब हर बड़ी परीक्षा के बाद लाखों छात्र अपनी मेहनत, समय और भविष्य की कीमत चुका रहे हैं, तो क्या केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे? लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल जांच बैठा देना पर्याप्त नहीं होता, जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। आखिर हर बार छात्रों की ही परीक्षा क्यों ली जाती है, व्यवस्था की परीक्षा कब होगी?

'इसी साल लौटूंगी बांग्लादेश', शेख हसीना का बड़ा ऐलान, कहा- मौत से नहीं डरती

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि वह इसी साल अपने मुल्क लौटेंगी। इस बात का ऐलान उन्होंने एनडीटीवी को दिए एक ईमेल इंटरव्यू में कहीं। शेख हसीना को अपने ही देश में मौत की सजा सुनाई गई है। उनके खिलाफ बांग्लादेश में ही कई मुकदमे चल रहे हैं, जहां की पांच बार प्रधानमंत्री रहीं।शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़े लगभग दो साल हो गए हैं। एक ऐसा देश जिसका गठन उनके पिता मुजीबुर रहमान ने पाकिस्ता ने अलग करके किया था। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी सिर्फ एक संगठन नहीं है बल्कि फोर्स है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों पर हमला तो बांग्लादेश की आजादी पर भी हमला है। 23 जून को ही उनकी पार्टी अवामी लीग का स्थापना दिवस था। इस मौके पर बांग्लादेश में अवामी लीग के दर्जनों कार्यकर्ताओं को अरेस्ट किया गया था। बांग्लादेश वापसी पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में शेख हसीना ने कहा कि मेरी वापसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का सवाल नहीं है। यह बांग्लादेश के लोगों के राजनीतिक अधिकारों, लोकतंत्र की बहाली, कानून के शासन और मुक्ति संग्राम की भावना से जुड़ा विषय है। मैं सत्ता के लिए राजनीति नहीं करती, बल्कि देश के लोगों के कल्याण और राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के 'सोनार बांग्ला' के सपने को साकार करने के लिए राजनीति करती हूं। शेख हसीना ने कहा कि मेरे खिलाफ दिया गया फैसला न्याय नहीं है, बल्कि एक अवैध, असंवैधानिक और राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रक्रिया का हिस्सा है। न्यायपालिका

को राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार बना दिया गया है ताकि अवामी लीग को नेतृत्वविहीन किया जा सके। ऐसे प्रयास पहले भी हुए हैं और असफल रहे हैं। हसीना ने कहा कि वह मौत से नहीं डरती। 1975 में मैंने अपने माता-पिता, अपने भाइयों और लगभग अपने पूरे परिवार को खो दिया। 21 अगस्त को ग्रेनेड से मेरी हत्या की कोशिश की गई। मेरे विरुद्ध अनेक षड्यंत्र रचे गए। परन्तु हर षड्यंत्र को तोड़ते हुए मैं बांग्लादेश की जनता के साथ खड़ी रही।उन्होंने कहा कि जनता के मत से मैं पांच बार प्रधानमंत्री चुनी गई और देश के अभूतपूर्व विकास के लिए कार्य किया। मेरा लगभग पूरा जीवन बांग्लादेश की जनता, अवामी लीग, लोकतांत्रिक संघर्ष और बांग्लादेश के विकास से जुड़ा रहा है। इसलिए मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि हर बाधा और हर षड्यंत्र को पार करते हुए मैं इस वर्ष अपने देश लौटूंगी। एक अन्य सवाल के जवाब में शेख हसीना ने कहा कि अवामी लीग कोई कागजी संगठन नहीं, बल्कि बंगाल की मिट्टी, इतिहास और जनता से जुड़ी एक राजनीतिक शक्ति है। 77 साल के इतिहास में इस पार्टी पर कई बार हमले हुए, इसे प्रतिबंधित किया गया, लेकिन हर बार यह जनता की ताकत से वापस उभरी। अवामी लीग की वापसी किसी और की असफलता पर निर्भर नहीं करती। जनता का समर्थन हमेशा हमारे साथ रहा है। हमारे शासन में देश में स्थिरता, विकास और सुरक्षा थी, लेकिन विरोधी ताकतों ने सुनियोजित तरीके से लोगों के एक हिस्से को गुमराह कर हमें सत्ता से हटाया।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर पकड़ी गई ड्रग्स की बड़ी खेपः 11 करोड़ के हाइड्रोपोनिक गांजे के साथ यात्री गिरफ्तार

गुजरात के अहमदाबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंकॉक से आए एक यात्री के पास से 10.91 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 11 करोड़ रुपये आंकी गई है। कस्टम की

एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने संदेह के आधार पर यात्री के सामान की जांच की, जिसमें स्निफर डॉग की मदद से नशीले पदार्थ की मौजूदगी का पता चला।तलाशी के दौरान ट्रॉली बैग से पांच पॉलीथीन पैकेट बरामद हुए, जिनमें हाइड्रोपोनिक गांजा छिपाकर रखा गया था। आरोपी जूनागढ़ जिले के मंगरोल का निवासी बताया जा रहा है और वह थाई एयरवेज की फ्लाइट से बैंकॉक से अहमदाबाद पहुंचा था। कस्टम विभाग ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क से जुड़े संभावित तारों की जांच शुरू कर दी है। कस्टम अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई रविवार को अहमदाबाद कस्टम की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने की। आरोपी यात्री गुजरात के जूनागढ़ जिले के मंगरोल का रहने वाला है और वह थाई एयरवेज की फ्लाइट टीजी-343 से बैंकॉक से अहमदाबाद पहुंचा था। जांच के दौरान यात्री के चेक-इन सामान की तलाशी ली गई। इसी दौरान कस्टम के स्निफर डॉग ने बैग में नशीले पदार्थ की मौजूदगी का संकेत दिया। इसके बाद बैगेज टैग के आधार पर यात्री की पहचान कर उसे रोका गया।

शिक्षा मंत्री दादा भुसे से इस्तीफे की मांग, युवक कांग्रेस का मुंबई में जोरदार प्रदर्शन

मुंबई : राज्य में टीईटी परीक्षा की प्रश्नपत्रिका लीक होने के विरोध में और शिक्षा मंत्री दादा भुसे के इस्तीफे की मांग को लेकर मुंबई युवक कांग्रेस ने जोरदार आंदोलन किया। यह प्रदर्शन शिक्षा मंत्री के सरकारी आवास के बाहर आयोजित किया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने पोस्टर लहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग की।

युवक कांग्रेस की अध्यक्षा ज़ीनत शबरीन के नेतृत्व में मंत्रालय के सामने और दादा भुसे के बंगले के बाहर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नीट के बाद अब टीईटी परीक्षा का पेपर लीक होना सरकार की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ गया है।

कड़ी पुलिस व्यवस्था के बावजूद कार्यकर्ताओं ने रणनीति बनाकर मंत्री के बंगले तक पहुंच बनाई। इस दौरान ज़ीनत शबरीन ने सुरक्षा दीवार पर 'दादा भुसे इस्तीफा दो' का पोस्टर लगाया। कार्यकर्ताओं ने 'पेपर चोर गद्दी छोड़ो', 'दादा भुसे इस्तीफा दो' और 'छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो' जैसे नारे लगाकर सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध जताया।

अपने संबोधन में ज़ीनत शबरीन ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक आम बात बन गई है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली सरकार को सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और शिक्षा मंत्री तुरंत इस्तीफा दें।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने ज़ीनत शबरीन सहित कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। हालांकि, आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक छात्रों को न्याय नहीं मिलता और पेपर लीक के जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

अमेरिका-ईरान में भिड़ंत

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के दस दिन बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर से सैन्य झड़पें शुरू हो गई हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता होने के दस दिन के अंदर ही दोनों के बीच फिर से सैन्य झड़पें शुरू हो जाना पश्चिम एशिया और साथ ही विश्व के लिए एक बुरी खबर है। अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से टकराव इसलिए शुरू हुआ, क्योंकि पिछले दिनों ओमान के तट पर सिंगापुर के ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज को निशाना बनाया गया।

हालांकि इस जहाज पर हमले में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इस हमले के पीछे ईरान का हाथ माना गया। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि होर्मुज समुद्री मार्ग से जहाजों की निकासी का काम फिर से रोक देना पड़ा। एक अनुमान के अनुसार होर्मुज में अभी पांच सौ से अधिक जहाज फंसे हुए हैं।

ईरान की ओर से सिंगापुर के झंडे वाले जहाज को निशाना बनाए जाने का एक परिणाम यह भी हुआ कि तेल के मूल्यों में मामूली ही सही, वृद्धि भी देखी गई। ईरान ने उक्त जहाज पर हमला इसलिए किया, क्योंकि उसके अनुसार उसने उसकी कथित चेतावनी की अनदेखी की।

हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच यह समझौता हुआ है कि ६० दिनों तक होर्मुज से जहाजों को बिना किसी शुल्क के निकलने दिया जाएगा, लेकिन इसके बाद भी ईरान इस पर अड़ा है कि इस जल मार्ग से जो भी जहाज निकलें, वे उसकी अनुमति लेकर ही निकलें।

वास्तव में ईरान इस कोशिश में है कि होर्मुज पर उसका आधिपत्य स्वीकार किया जाए। यह उसकी मनमानी के अलावा और कुछ नहीं।

होर्मुज सरीखे दुनिया के सभी समुद्री व्यापारिक मार्ग स्वतंत्र नौवहन के लिए खुले हैं। एक अंतरराष्ट्रीय संधि के अनुसार किसी देश को अपने तटवर्ती समुद्री मार्ग से किसी तरह की वसूली करने या टैक्स लेने का अधिकार नहीं है। ईरान होर्मुज के मामले में यह अधिकार जबरन हासिल करना चाहता है।

उसे यह अधिकार नहीं दिया जा सकता, क्योंकि होर्मुज पर उसका दावा उसकी दादागीरी के अलावा और कुछ नहीं। यह एक ऐसा मामला है, जिसमें ईरान के रुख का समर्थन नहीं किया जा सकता। यह ठीक है कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान को अनावश्यक रूप से निशाना बनाया और पश्चिम एशिया की शांति को खतरे में डालने के साथ ही विश्व अर्थव्यवस्था के लिए संकट पैदा किया, लेकिन होर्मुज को अपने नियंत्रण में लेने की ईरान की कोशिश उसे खलनायक ही सिद्ध करने वाली है।

संभवतः होर्मुज पर ईरान के अनैतिक तरीके से आधिपत्य जमाने की कोशिश का जवाब देने के लिए ही अमेरिकी सेना ने उसके ठिकानों पर बमबारी की, लेकिन ईरान ने भी खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने में देरी नहीं की। अमेरिका और ईरान के बीच इस ताजा सैन्य झड़प से इसे लेकर संदेह पैदा हो गया है कि दोनों के बीच जिस शांति समझौते पर सहमति बनी, वह कितना टिकाऊ साबित होगा?

पोलीस ठाणे - शाहूनगर पोलीस ठाणे मुंबई
मयत बेवारस व्यक्ती गू र क्र क्रमांक- २७३/२०२६,

बेवारस मयत इसम-
नाव- अनिस उर्फ अंधेरी
वय - ७५ वर्षे
रा.ठी- नाही

हकीकत - सदर बेवारस मयत इसम सनाउल्ला कंपाऊंड, माहीम फाटक धारावी मुंबई १७, येथे कचरा वेचण्याचे काम करत असे सदर इसम दिनांक १२/०६/२०२६ रोजी रात्री ०१:३० वाजताचे सुमारास कचऱ्याच्या दिगाजवळ झोपलेला असताना त्याचे अंगावरून टेम्पो गेल्याने सदर इसम मयत झाला असून शाहूनगर पोलिस ठाणे येथे गुन्हा दाखल करण्यात आला आहे

तरी मयत इसम अनिस उर्फ अंधेरी , वय ७५ वर्षे यांचे कोणी नातेवाईक मिळून आल्यास पोलीस उपनिरीक्षक माधुरी किर्वे यांच्याशी संपर्क करावा.

संपर्क नंबर ८८८८१६४२८२

मुंबई के मोहर्रम जुलूस में 'पेनकिलर' के नाम पर मौत बांटने की साजिश नाकाम, १४,९०० जहरीली कैप्सूल बरामद

आरोपी के घर से 50 किलो जिंक फॉस्फाइड और 14,900 जहरीली कैप्सूल बरामद, कुल 30 हजार कैप्सूल तैयार करने की थी तैयारी।

पुलिस दहशतवादी एंगल और 'लोन वुल्फ अटैक' की आशंका को लेकर भी मामले की गहन जांच कर रही है

मुंबई। मोहर्रम के अवसर पर निकाले गए जुलूस के दौरान मुंबई के भायखला इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई। एक व्यक्ति दर्द निवारक दवा (पेनकिलर) और इम्युनिटी बूस्टर बताकर लोगों को मुफ्त में कैप्सूल बांट रहा था। कैप्सूल खाने के कुछ ही देर बाद कई लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। पुलिस की सतर्कता से आरोपी को समय रहते गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे हजारों लोगों की जान पर मंडराता बड़ा खतरा टल गया। पुलिस ने आरोपी की पहचान ३९ वर्षीय फैयाज निसार हुसैन प्रेमजी के रूप में की है। वह मूल रूप से पुणे के विमाननगर का रहने वाला है और फिलहाल मुंबई के डोंगरी इलाके में ठहरा हुआ था। शुक्रवार रात भायखला और जे.जे. अस्पताल क्षेत्र से गुजर रहे मोहर्रम जुलूस में वह एक स्टॉल लगाकर लोगों को मुफ्त कैप्सूल बांट रहा था। वह दावा कर रहा था कि यह दर्द दूर करने वाली दवा है और इम्युनिटी भी बढ़ाती है। बिना अनुमति दवाइयां बांटते देख पुलिस को उस पर शक हुआ और उससे पूछताछ शुरू की गई। इसी बीच जुलूस में शामिल कुछ लोगों को उल्टी, मितली, पेट दर्द और सिरदर्द की शिकायत होने लगी। जांच में सामने आया कि सभी ने वही कैप्सूल खाई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ११ लोगों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसके बाद भायखला पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के घर की तलाशी में पुलिस को ५० किलोग्राम जिंक फॉस्फाइड, १४,९०० तैयार जहरीली कैप्सूल और बड़ी संख्या में खाली कैप्सूल बरामद हुए। जांच में यह भी सामने आया कि उसने कुल ३० हजार कैप्सूल तैयार करने की योजना बनाई थी। प्रत्येक कैप्सूल में करीब एक ग्राम जिंक फॉस्फाइड भरा गया था, जिसका उपयोग सामान्यतः चूहे मारने की दवा में किया जाता है। पुलिस उपायुक्त जयंत मीना के अनुसार प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी कुछ लोगों को निशाना बनाने की तैयारी में था। हालांकि, पूरे मामले की जांच दहशतवादी एंगल से भी की जा रही है और अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी को इस साजिश में किसी और की मदद मिली थी या नहीं तथा उसने इतनी बड़ी मात्रा में जिंक फॉस्फाइड और कैप्सूल कहां से हासिल किए। जांच में यह भी सामने आया है कि फैयाज ने बीबीए तक पढ़ाई की है। उसके पिता की पुणे में पेंट कंपनी है, जबकि उसकी मां और बहन ईरान में रहती हैं। वर्ष २०२५ में वह ईरान और इराक की यात्रा भी कर चुका है, जिसके चलते उसके विदेशी संपर्कों की भी जांच की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार जिंक फॉस्फाइड अत्यंत जहरीला रसायन है। यह पेट में पहुंचते ही फॉस्फीन गैस बनाता है, जो शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है और अधिक मात्रा में जानलेवा भी साबित हो सकती है। फिलहाल बीमार हुए सभी लोगों का इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस अब इस बात का पता लगाने में जुटी है कि यह किसी बड़े षड्यंत्र की शुरुआत थी या आरोपी अकेले ही इस भयावह योजना को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था।

नशा मुक्त चांदिवली विधानसभा जनजागरण अभियान सफल, सहयोगियों का जताया आभार

मुंबई । संवाददाता - पवन पाठक

चांदिवली विकास परिषद द्वारा एल.बी.एस. नगर, शिवसागर डेयरी, साकीनाका में आयोजित 'नशा मुक्त चांदिवली विधानसभा' जनजागरण अभियान सफलतापूर्वक एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज, विशेषकर युवाओं और महिलाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए जनसमर्थन जुटाना था।

कार्यक्रम के उपरांत चांदिवली विकास परिषद के अध्यक्ष श्री सीताराम तिवारी ने अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से ॲड. सुनील सिंह, ॲड. दीपनारायण मिश्रा, श्री इश्हाक मंसूरी, श्री मुकेश यादव, श्री रमजान चौधरी, श्री सुधाकर घोरबंद, श्री श्रीनाथ दुबे, श्री अंजनी द्विवेदी, श्री रूपलाल सेठ, श्री के. के. तिवारी एवं श्री संतोष त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्री सीताराम तिवारी ने कहा कि 'नशा मुक्त चांदिवली विधानसभा' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज को नशे की बुराइयों से मुक्त कराने का जनआंदोलन है। परिषद का संकल्प है कि इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाकर युवाओं को नशे से दूर रखने और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने इस पुनीत अभियान में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का पुनः धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील की।

बिग बॉस सीक्रेट!

'बिग बॉस ओटीटी' सीजन 1 की विनर दिव्या अग्रवाल ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में शो के अंदर की जिंदगी को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने घर के अंदर की प्राइवेसी, सिगरेट और शराब से जुड़ी चर्चित अफवाहों पर खुलकर बात की। दिव्या ने कहा कि 24 घंटे कैमरों की निगरानी के बावजूद दर्शकों को सब कुछ नहीं दिखता। जब उनसे पूछा गया कि क्या घर के अंदर इंटीमेसी जैसे विषयों पर बातें होती हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि कैमरों के सामने भले ही कुछ नजर न आए, लेकिन अंदर बहुत कुछ होता है। इस पर पॉडकास्ट होस्ट ने भी इशारों-इशारों में बाथरूम एरिया का जिक्र किया। दिव्या के इस बयान ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और फैंस अब शो के अनदेखे पहलुओं को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं।

ICC का बड़ा एलान! महिला ऊ20 वर्ल्ड कप 2028 के लिए इन 8 टीमों को मिली सीधी एंट्री, देखें पूरी लिस्ट

2026 महिला ऊ20 वर्ल्ड कप की मेज़बानी इंग्लैंड करेगा। इस वर्ल्ड कप में टीमों का प्रदर्शन अगले महिला ऊ20 वर्ल्ड कप (T20 वर्ल्ड कप 2028) के लिए टीमों के लाइनअप पर असर डालेगा। मौजूदा T20 वर्ल्ड कप में बारह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें छह-छह टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप की टॉप चार टीमें अगले T20 वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर चुकी हैं। ग्रुप A से ऑस्ट्रेलिया, भारत, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश ने क्वालिफाई किया है, जबकि ग्रुप B से इंग्लैंड, वेस्ट इंडीज, न्यूज़ीलैंड और श्रीलंका ने क्वालिफाई किया है।

श्रीलंका से हारने के बाद स्कॉटलैंड चूका

पाकिस्तान ग्रुप A में एक जीत के साथ पांचवें स्थान पर है। इसके बावजूद, पाकिस्तान ने 2028 महिला T20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है क्योंकि वे उस टूर्नामेंट के मेजबान हैं। शुक्रवार को श्रीलंका से हारने के बाद स्कॉटलैंड अगले T20 वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने से चूक गया।

अब तक कुल नौ टीमें, जिनमें मेजबान पाकिस्तान भी शामिल है। अगले महिला T20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। 10वीं जगह उस टीम को मिलेगी जो 6 जुलाई, 2026 की कट-ऑफ तारीख तक इंटरनेशनल T20 रैंकिंग टेबल में अगली सबसे ऊंची रैंक वाली टीम होगी। अभी के हिसाब से, आयरलैंड (नौवीं रैंक) उस जगह को भरेगी। बाकी दो जगहों का फैसला 10 टीमों वाले ग्लोबल क्वालिफायर के जरिए किया जाएगा।

नीदरलैंड्स को खेलना होगा क्वालिफायर

नीदरलैंड्स, जो अभी 14वें स्थान पर है, को मुख्य इवेंट में जगह पक्की करने के लिए क्वालिफायर खेलना पड़ सकता है। स्कॉटलैंड (अभी 11वें स्थान पर) और आयरलैंड (अभी 9वें स्थान पर) भी बाहर हो सकते हैं अगर रैंकिंग में उनकी स्थिति काफी गिरती है। ICC ने अगले साल श्रीलंका में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीमों के चयन का भी फैसला किया है। इस टूर्नामेंट में मेजबान देश के साथ-साथ 6 जुलाई की कट-ऑफ तारीख तक T20 रैंकिंग में टॉप पांच टीमें शामिल होंगी। मौजूदा रैंकिंग के आधार पर, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है।

गृहमंत्री के विदेश दौरे 'शून्य'?

सोशल मीडिया पर सवालों की बौछार, जवाब अब भी नदारद

सुनिल इंगोले

देश की राजनीति में किसी भी मुद्दे पर चर्चा होना नई बात नहीं है, लेकिन जब सवाल देश के गृहमंत्री से जुड़ा हो और उस पर सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जवाब न आए, तो वह केवल सोशल मीडिया की बहस नहीं रह जाती, बल्कि जनचर्चा का विषय बन जाती है। इन दिनों सोशल मीडिया पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के विदेश दौरों को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और अन्य केंद्रीय मंत्री नियमित रूप से विदेश यात्राएं करते हैं, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह के विदेश दौरे लगभग न के बराबर क्यों हैं? यही सवाल फेसबुक और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बार-बार पूछा जा रहा है। इस चर्चा के दौरान कई यूजर्स अमित शाह के पुराने कानूनी मामलों, तड़ीपार आदेश और उस समय के न्यायिक विवादों का हवाला देते हुए अलग-अलग दावे कर रहे हैं। कुछ पोस्टों में कहा जा रहा है कि उन्हीं कारणों से वे विदेश यात्रा नहीं करते, जबकि कुछ लोग वीज़ा, पासपोर्ट और अंतरराष्ट्रीय यात्रा से जुड़े नियमों का उल्लेख कर अपने-अपने तर्क दे रहे हैं। इन दावों में कितनी सच्चाई है और कितनी नहीं, यह अलग विषय है। लेकिन बड़ा सवाल यह

है कि यदि सोशल मीडिया पर चल रही बातें पूरी तरह गलत हैं, तो सरकार या संबंधित पक्ष अब तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण क्यों नहीं दे रहा? एक स्पष्ट बयान कई तरह की अटकलों और अफवाहों पर विराम लगा सकता है। लोकतंत्र में सूचना का अभाव अक्सर अफवाहों को जन्म देता है। जब सरकार की ओर से आधिकारिक स्थिति सामने नहीं आती, तो लोग अपने-अपने निष्कर्ष निकालने लगते हैं। ऐसे में यह मामला केवल राजनीतिक नहीं रह जाता, बल्कि जनता के विश्वास और पारदर्शिता से भी जुड़ जाता है। लोकतंत्र में सत्ता से सवाल पूछना नागरिकों का अधिकार है, अपराध नहीं। यदि सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे आरोप और दावे निराधार हैं, तो सरकार उन्हें तथ्यों के साथ आसानी से खारिज कर सकती है। लेकिन जब जवाब की जगह मौन हो, तो संदेह और चर्चाएं दोनों बढ़ते हैं। सवाल पूछने वालों को अफवाह फैलाने वाला बताना आसान है, लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण प्रश्न है कि अफवाहों को जन्म देने वाली खामोशी किसकी है। आखिर लोकतंत्र में सत्ता की असली ताकत विरोधियों को जवाब देने में नहीं, बल्कि जनता के सवालों का पारदर्शी उत्तर देने में होती है।

अमरावती में दिल दहला देने वाली वारदात, खेत के पास किसान की नृशंस हत्या

लोणी। जिले के नांदगांव खंडेश्वर तहसील के शिपगांव में शनिवार (27 जून) को एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। खेत के पास स्थित नाले में 45 वर्षीय किसान का धारदार हथियार से कई वार कर बेरहमी से कत्ल कर दिया गया। मृतक की पहचान संजय प्रभाकर मालदुरे (45, निवासी शिपगांव, पोस्ट लोणी) के रूप में हुई है। इस निर्मम हत्या से पूरे क्षेत्र में दहशत और सनसनी फैल गई है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, संजय मालदुरे के शरीर पर किसी धारदार हथियार से किए गए 5 से 6 गहरे घाव मिले हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि हमलावरों ने बेहद नृशंस तरीके से उनकी हत्या की। घटना की सूचना मिलते ही उपविभागीय पुलिस अधिकारी सतीश कुलकर्णी, स्थानीय अपराध शाखा के प्रमुख किरण वानखड़े तथा लोणी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए नांदगांव खंडेश्वर के शासकीय अस्पताल भेज दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक चार भाइयों में से एक थे और तीनों भाई गांव में ही रहते हैं। परिवार के बीच किसी प्रकार के विवाद की जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। ऐसे में हत्या के पीछे की वजह और भी रहस्यमयी बन गई है। फिलहाल लोणी पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में जुटी है। स्थानीय अपराध शाखा के प्रमुख किरण वानखड़े के मार्गदर्शन में एलसीबी और लोणी पुलिस की संयुक्त टीम हत्यारों की तलाश में जुट गई है। आसपास के क्षेत्र में पूछताछ तेज कर दी गई है और पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

बहराइच में आधी रात गोलियों की गूंज.

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़. पचास हजार रुपये का इनामी हिस्ट्रीशीटर हाफ एनकाउंटर में घायल

ब्यूरो रिपोर्ट फरियाद अली

उ. प्र. बहराइच पुलिस ने चोरी की घटनाओं पर लगाम कसने के अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल

करते हुए दो शातिर बदमाशों को अलग-अलग मुठभेड़ों में गिरफ्तार कर लिया। पहली मुठभेड़ में पुलिस का सामना बदमाशों से हुआ, जहां पुलिस के अनुसार आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी और वह मौके पर ही घायल होकर पकड़ा गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल बदमाश ने अपनी पहचान फिरोज पुत्र फौजदार, निवासी मुड़कटी, थाना बौंडी के रूप में बताई और फरार साथी का नाम मुल्कराज बताया।

इसके बाद पुलिस की टीमें सक्रिय हुईं और कुछ ही देर में कैसरगंज थाना पुलिस तथा स्वाट टीम ने रुकनापुर तिराहे के पास चेकिंग के दौरान बाइक सवार मुल्कराज को रोकने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक उसने भी गिरफ्तारी से बचने के लिए फायरिंग की, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार मुल्कराज पुत्र श्याम बिहारी, निवासी रायपुर भैसवा, थाना बौंडी, पचास हजार रुपये का इनामी और हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। उसके खिलाफ जिले के कई थानों में चोरी के दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। उसके कब्जे से दस चांदी के बिछुए, दो हजार चार सौ रुपये नकद, तीन सौ पंद्रह बोर का एक देसी तमंचा, दो जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया गया। दोनों घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस टीम को आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जुहू केखुले नाले में गिरा युवक, फायर ब्रिगेड ने बचाया लेकिन अस्पताल में मौत

मुंबईः मुंबई के जुहू इलाके में दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां खुले नाले में गिरने से २४ वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना के बाद मुंबई फायर ब्रिगेड ने तत्काल रेस्क्यू कर युवक को बाहर निकाला, लेकिन गंभीर हालत के चलते उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। यह घटना दोपहर करीब १२:०९ बजे जुहू, अंधेरी वेस्ट के जेवीपीडी स्कीम क्षेत्र स्थित वी.पी. मार्ग पर हुई। जानकारी के अनुसार, युवक अचानक सड़क किनारे खुले नाले में गिर गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। बृहन्मुंबई नगर निगम के डिजास्टर मैनेजमेंट सेल के मुताबिक, जैसे ही सूचना मिली, फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बचाव दल ने काफी प्रयास के बाद युवक को नाले से बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए भेजा। रेस्क्यू के दौरान युवक की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही थी। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जुहू और अंधेरी जैसे व्यस्त इलाकों में खुले नाले लंबे समय से चिंता का विषय बने हुए हैं। कई जगहों पर ढकने की व्यवस्था या सुरक्षा बैरिकेड्स नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाओं का खतरा बना रहता है। घटना के बाद नागरिकों ने नगर प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि यदि नाला ढका हुआ होता या उचित चेतावनी संकेत लगाए गए होते, तो इस दुर्घटना को टाला जा सकता था।

रायखाड शहरी स्वास्थ्य केंद्र ने भद्र मंदिर में पोलियो बूथ का आयोजन किया

भद्र मंदिर में पोलियो बूथ का सफल आयोजन

आज, जून २०२६ के पोलियो टीकाकरण अभियान के अंतर्गत, रायखाड शहरी स्वास्थ्य केंद्र द्वारा भद्र मंदिर में एक पोलियो बूथ का आयोजन किया गया। इसमें पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो की बूंदें पिलाई गईं। बूथ टीम के सदस्यों ने इसमें उत्कृष्ट कार्य किया। रायखाड के सामाजिक कार्यकर्ता बुरहानुद्दीन कादरी ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किया।

मॉल के बाहर 'एक रुपये सेल' की अफवाह से भगदड़ जैसे हालात बन गए

मुंबई : सोशल मीडिया पर यहां कपड़ों के एक शोरूम में एक रुपये में परिधान बेचे जाने की अफवाह के कारण शनिवार सुबह उपनगरीय मलाड में एक मॉल के बाहर भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बांगुर नगर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो व्यापक रूप से साझा किया गया, जिसमें दावा किया गया था कि इन्फिनिटी मॉल में कपड़ों का एक शोरूम प्रचार अभियान के तहत एक रुपये में कपड़े बेच रहा है। इसके बाद दुकान खुलने से पहले ही बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच गए। अधिकारी ने बताया कि भगदड़ की आशंका को देखते हुए पुलिस ने हस्तक्षेप किया और लाउडस्पीकर से घोषणा कर स्पष्ट किया कि ऐसी कोई छूट या एक रुपये में कपड़े बेचने का प्रस्ताव नहीं है। इसके बाद भीड़ शांतिपूर्वक तितर-बितर हो गई।

अमरावती में समृद्धि महामार्ग पर काल बनकर खड़ा था कंटेनर

एक ही परिवार के पांच लोगों की दर्दनाक मौत

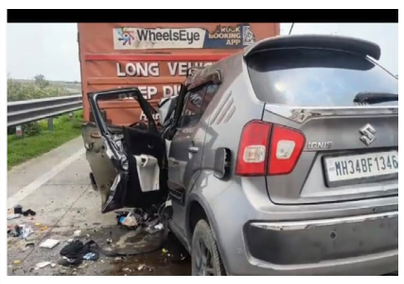

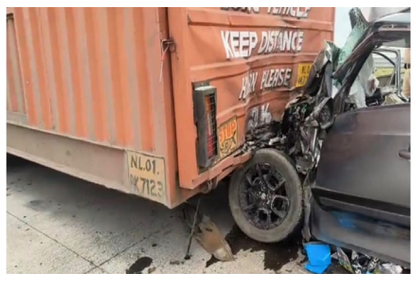

अमरावती। समृद्धि महामार्ग पर शनिवार सुबह एक ऐसा दर्दनाक हादसा हुआ जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे 'नो पार्किंग' में खड़े कंटेनर से इतनी भीषण तरीके से टकराई कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। देखते ही देखते हंसी-खुशी सफर पर निकला परिवार हमेशा के लिए खत्म हो गया। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार, चंद्रपुर जिले के बाबूपेठ निवासी जीवणे परिवार कार से अकोला की ओर जा रहा था। अमरावती जिले के धामणगांव रेलवे थाना क्षेत्र में समृद्धि महामार्ग पर उनकी कार सड़क किनारे 'नो पार्किंग' में खड़े कंटेनर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार लोहे के ढेर में तब्दील हो गई और उसमें सवार किसी भी व्यक्ति को बचने का मौका नहीं मिला। इस भीषण हादसे में भास्कर महादेव जीवणे (४०), महादेव शिवाजी जीवणे (६५), लताबाई महादेव जीवणे (६०), आरती भास्कर जीवणे (३८) और यशा भास्कर जीवणे (१२) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में तीन पीढ़ियों के सदस्य शामिल थे। सभी चंद्रपुर जिले के बाबूपेठ क्षेत्र के रहने वाले थे। हादसे की सूचना मिलते ही दत्तापुर पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। कार में फंसे शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए उपजिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आखिर कंटेनर हाईवे पर 'नो पार्किंग' क्षेत्र में किसकी लापरवाही से खड़ा था और इस भयावह हादसे के लिए जिम्मेदार कौन है।

फिर कटघरे में समृद्धि महामार्ग की सुरक्षा

यह हादसा केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि हाईवे पर

सुरक्षा व्यवस्था और लापरवाही पर बड़ा सवाल है। आखिर तेज रफ्तार वाहनों के लिए बने एक्सप्रेसवे पर भारी वाहन 'नो पार्किंग' में कैसे खड़े हो जाते हैं? यदि नियमों का सख्ती से पालन कराया जाता और अवैध रूप से खड़े वाहनों पर समय रहते कार्रवाई होती, तो संभव है कि एक ही परिवार के पांच लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इस हादसे के बाद समृद्धि महामार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

केतन अग्रवाल हत्याकांडः आरोपियों को लोहगढ़ ले जाकर पुलिस ने किया सीन रीक्रिएशन

मुन्ना मुजावर

पुणेः केतन अग्रवाल मर्डर केस में, केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी को रविवार सुबह लोहागढ़ ले जाकर पूछताछ की गई। पुलिस ने घटना का सीन रीक्रिएशन (सीन रीक्रिएशन) किया।

सूत्रों ने बताया, 'केतन अग्रवाल मर्डर केस में, उसकी मंगेतर सिया और चेतन ने सोशल मीडिया पर जानकारी खोजी। जब सिया 14 जून को केतन के साथ लोहागढ़ गई, तो उसने केतन को एक घाटी में धकेलने की कोशिश की। हालांकि, यह कोशिश नाकाम रही। इसलिए, उसने चेतन की मदद ली।'

वडगांव मावल कोर्ट के आदेश के अनुसार आरोपी चेतन और सिया फिलहाल पुलिस कस्टडी में हैं। दोनों को सोमवार (29 जून) तक पुलिस कस्टडी में रखने का आदेश दिया गया है। आरोपी सिया गोयल के माता-पिता से शनिवार को लोनावला रूरल पुलिस ने पूछताछ की। सिया के भाई से भी शुक्रवार को पूछताछ की गई। इसके बाद शनिवार को उसके माता-पिता से पूछताछ की गई।

फिर रविवार सुबह पुलिस की एक टीम सिया और चेतन को लोहागढ़ ले गई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। दोनों से घटनास्थल पर पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी मिल गई है कि घटना असल में कैसे हुई; साथ ही घटनाओं का क्रम क्या था।

केतन की हत्या सिया और चेतन ने 18 जून को लोहागढ़ किले से एक घाटी में धक्का देकर कर दी थी। अग्रवाल परिवार के इस मामले में शक जताने के बाद पुलिस ने जांच की और हत्या का मामला सुलझा लिया। दोनों ने इस बात का ध्यान रखा था कि पुलिस को उन पर शक न हो।

एक कॉल ने लूट ली जिंदगी भर की कमाई, पुणे के रिटायर्ड कर्मचारी से लाखों की ठगी

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे के कोथरुड में पौड फाटा इलाके के एक सीनियर सिटिज़न। उम्र ७०! तीन महीने पहले उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। उन्होंने स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करने के मौकों के बारे में डिटेल में जानकारी दी। और, 'अगर आप इन्वेस्ट करेंगे, तो आपको अच्छा रिटर्न मिलेगा,' बोलने वाले ने यह भी कहा। सीनियर सिटिज़न ने इस पर यकीन करके ऐसा ही किया। पहले तो उन्हें रिटर्न मिलने का नाटक किया गया। बाद में पता चला कि उनके साथ असल में धोखा हुआ है। कितना? एक करोड़ रुपये से ज़्यादा। कोथरुड इलाके के एक सीनियर सिटिज़न से स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करने का लालच देकर एक करोड़ दस लाख रुपये की ठगी का यह मामला हाल ही में सामने आया है। इस मामले में साइबर पुलिस ने चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।एक सीनियर सिटिज़न ने इस बारे में शिवाजीनगर के साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने जो शिकायत दी है, उसके अनुसार साइबर चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस की दी गई जानकारी के अनुसार, शिकायत करने वाले ७० साल के सीनियर सिटिज़न रिटायर्ड हैं। वह पौड फाटा इलाके की एक सोसाइटी में रहते हैं। अप्रैल में साइबर चोरों ने उनके मोबाइल नंबर पर कॉन्टैक्ट किया। चोरों ने उन्हें लालच दिया कि अगर वे स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करेंगे तो उन्हें अच्छा रिटर्न मिलेगा। इसके बाद चोरों ने उन्हें स्टॉक मार्केट में अलग-अलग इन्वेस्टमेंट स्कीम के बारे में जानकारी दी, साथ ही उन्हें मिलने वाले रिटर्न के बारे में भी बताया। वे चोर के लालच में आ गए। इसके बाद उन्होंने पिछले तीन महीनों में समय-समय पर चोर के बैंक अकाउंट में १ करोड़ १० लाख रुपये जमा किए। पैसे जमा करने के बाद चोरों ने उन्हें एक मैसेज भेजा। इसमें रिफंड जमा होने का नाटक किया गया। लेकिन, असल में बैंक अकाउंट में रिफंड जमा नहीं हुआ था। सीनियर सिटिज़न ने चोरों से उनके मोबाइल नंबर पर कॉन्टैक्ट किया। तब पता चला कि उनके साथ ठगी हुई है।

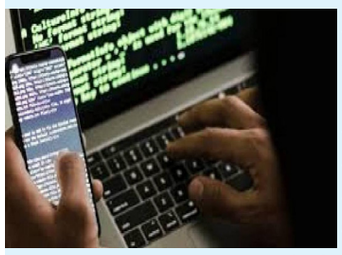

मां की मौत का सदमा नहीं सह पाया युवक, पुणे में की आत्महत्या

मुन्ना मुजावर

पुणेः शनिवार को एक 22 साल के लड़के ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी मां की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना सामने आने के बाद पार्वती दर्शन इलाके में मातम पसर गया।

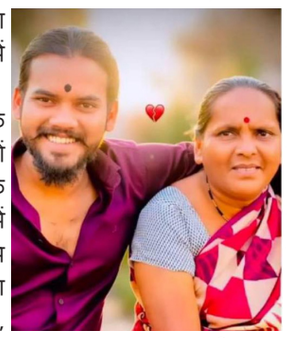

मरने वालों के नाम मंदा गणेश डोडके और साहिल गणेश डोडके (उम्र 25, दोनों पार्वती दर्शन के रहने वाले) हैं। पुलिस के मुताबिक, डोडके परिवार दांडेकर पूल में रहता था। वहां स्लम रिहैबिलिटेशन स्कीम के तहत नई बिल्डिंग बनाने का काम चल रहा था। नई बिल्डिंग का काम शुरू होने के बाद, डोडके परिवार ने पार्वती दर्शन इलाके में किराए पर एक कमरा लिया। मंदा डोडके सीनियर सिटिजन की देखभाल करते थे। डोडके की चार बेटियां हैं। साहिल इकलौता था। परिवार में मदद करने के लिए, वह सुबह दूध के पैकेट बांटता था; वह एक ऐसे बिज़नेस में भी काम करता था जो लिफ्ट की मरम्मत और मेंटेनेंस करता था।

गुरुवार (25 जून) सुबह मंदा को स्ट्रोक आया। साहिल ने उन्हें इलाज के लिए ससून हॉस्पिटल में भर्ती कराया। वह इलाज पर रिस्पॉन्ड नहीं कर रही थीं। उनकी हालत बिगड़ती गई और उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने जब साहिल को बताया कि उसकी माँ की मौत हो गई है, तो वह टूट गया। फिर वह घर चला गया। शनिवार (27 जून) को साहिल ने साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब रिश्तेदारों ने दरवाजा खटखटाया, तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। जब साहिल के भतीजे ने दरवाजे की दरार से देखा, तो पता चला कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसे ससून हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हालांकि, मेडिकल एक्सपर्ट्स ने कहा कि इलाज से पहले ही उसकी मौत हो गई।

माँ की मौत के बाद साहिल टूट गया था

साहिल इकलौता बच्चा था। साहिल चार बेटियों के बाद पैदा हुआ था। परिवार की आर्थिक हालत खराब होने के कारण, वह मदद के लिए काम कर रहा था। साहिल अपनी माँ से बहुत प्यार करता था। माँ की मौत की खबर मिलते ही वह टूट गया। वह ससून हॉस्पिटल से घर गया और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार शाम को गमगीन माहौल में वैकुंठ श्मशान घाट पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। पार्वती पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेंद्र सहाने ने कहा, 'इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज किया गया है।'

पुणे में देसी पिस्टल के साथ शातिर आरोपी गिरफ्तार, आंबेगांव पठार में क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

मुन्ना मुजावर

क्राइम ब्रांच ने देसी पिस्तौल रखने के आरोप में सराय के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई धनकावाड़ी के अंबेगांव पत्थर इलाके में की गई। उसके पास से एक देसी पिस्तौल और एक कारतूस बरामद किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिनेश सुरेश धोरे (उम्र ३८ वर्ष, निवासी शिव कॉलोनी, अंबेगांव पत्थर, धनकावड़ी) के रूप में हुई है। उसके खिलाफ भारती विद्यापीठ पुलिस स्टेशन में अवैध रूप से हथियार रखने का मामला दर्ज किया गया है।

क्राइम ब्रांच यूनिट २ के पुलिस अधिकारी शिवानंद कायगुडे और उज्ज्वल मोकाशी को सूचना मिली थी कि धोरे के पास एक देसी पिस्तौल है और वह अंबेगांव पठार क्षेत्र में रह रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

इस ऑपरेशन को पुलिस उपायुक्त गौहर हसन और सहायक आयुक्त शैलेश संखे के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार खिलारे, उप-निरीक्षक ज्ञानेश्वर दलवी, सरजेराव सागर, संतोष टकले, शंकर नेवसे, शंकर कुंभार, नागनाथ राख, विजय कुमार पवार और विशाल दलवी की टीम ने अंजाम दिया।

इमारत गिराने और जान से मारने की धमकी देकर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

मुन्ना मुजावर

पुणे के भारती विद्यापीठ पुलिस स्टेशन की टीम ने इमारत गिराने

तथा जान से मारने की धमकी देकर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सुनियोजित जाल बिछाकर आरोपियों को 50 हजार रुपये की रकम स्वीकार करते समय रंगेहाथ पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी विनोद निवृत्ती गायकवाड़ ने मंगडेवाडी स्थित ममता फाउंडेशन की इमारतों के संबंध में पुणे महानगरपालिका में शिकायतें दर्ज कराई थीं। इसके बाद उसने शिकायतकर्ता को इमारत तुड़वाने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देते हुए 10 लाख रुपये की रंगदारी की मांग की। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी पहले ही शिकायतकर्ता से टाइटन कंपनी की एक घड़ी, 10 हजार रुपये गूगल पे के माध्यम से, जबकि एक अन्य आरोपी ने 5 हजार रुपये नकद वसूल चुका था। इसके बाद आरोपियों ने दोबारा 50 हजार रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता द्वारा पुलिस से संपर्क करने पर भारती विद्यापीठ पुलिस ने जाल बिछाया और रकम लेते समय चारों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 7.09 लाख रुपये मूल्य का मुद्देमाल भी जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ भारती विद्यापीठ पुलिस स्टेशन में जबरन वसूली, धमकी और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक गणेश मोहिते कर रहे हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों ने इसी प्रकार अन्य लोगों को भी धमकाकर रंगदारी वसूली है या नहीं।

काळेपडळ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 1.09 लाख रुपये का प्रतिबंधित गुटखा जब्त

मुन्ना मुजावर

पुणेः शहर में प्रतिबंधित गुटखा, पान मसाला एवं तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री और भंडारण के खिलाफ काळेपडळ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब १ लाख ९ हजार रुपये मूल्य का प्रतिबंधित माल जब्त किया है। इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है, जबकि उसके साथी की भी पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में शेराराम कानाराम देवासी (२४ वर्ष) को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि उसे प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू उत्पादों की आपूर्ति सोगाराम परमार नामक व्यक्ति द्वारा की जाती थी। आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने केतकेश्वर कॉलोनी, काळेपडळ स्थित एक बंद कमरे पर छापा मारा। तलाशी के दौरान वहां से भारी मात्रा में प्रतिबंधित सुगंधित गुटखा, पान मसाला तथा विभिन्न तंबाकू उत्पाद बरामद किए गए। जब्त किए गए माल की कुल कीमत लगभग १.०९ लाख रुपये बताई गई है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने जब्त सामग्री को कब्जे में लेकर संबंधित आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की आपूर्ति का नेटवर्क कितना बड़ा है और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

यह पूरी कार्रवाई पुलिस उपायुक्त जीवन बेनिवाल, सहायक पुलिस आयुक्त अतुलकुमार नवगिरे तथा

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गिरीषा निंबाळकर के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस निरीक्षक (अपराध) आण्णासो बाबर के निर्देशानुसार सहायक पुलिस निरीक्षक अमित शेटे, पुलिस उपनिरीक्षक विनायक गुरव एवं जांच दल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से इस अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। कार्रवाई में पुलिस हवलदार एवं पुलिसकर्मी प्रविण काळभोर, दाऊद सय्यद, प्रतिक लाहीगुडे, शाहीद शेख, संतोष शेंडे, निलेश देसाई, अमोल फडतरे, अतुल पंधरकर, विशाल ठोंबरे, लक्ष्मण काळे, नितीन ढोले, सद्दाम तांबोळी, प्रदीप बेडीस्कर, महादेव शिंदे तथा गिरीराज जगदाळे का विशेष योगदान रहा। पुलिस विभाग ने टीम के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है।

पुणे पुलिस की बड़ी कार्रवाईः बाइक चोर गिरोह गिरफ्तार, ६ मोटरसाइकिलें बरामद

मुन्ना मुजावर

पुणे शहर पुलिस की अपराध शाखा की इकाई ७ ने वाघोळी इलाके में दोपहिया वाहन चोरों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और कानूनी झंझटों में फंसे एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। उनके पास से ४९ लाख रुपये मूल्य की छह मोटरसाइकिलें और चार मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। इस अभियान के परिणामस्वरूप, लोहेगांव, लोनी कालभोर, शिकरापुर, विश्रांतवाड़ी और भोसारी पुलिस स्टेशनों के अंतर्गत कुल छह चोरी के मामले सामने आए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरसलान मुस्ताक तंबोली (उम्र १८, निवासी कृष्णकुंज फेज २, बकोरी रोड, वाघोली), सिद्धांत दिलीप वाघमारे (उम्र १८, निवासी वाघोली) और अरमान रियाज तंबोली (उम्र १८, निवासी वाघोली) के रूप में हुई है। ये सभी वाघोली इलाके के रहने वाले हैं. यह सूचना वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संतोष सोनावाने, सहायक पुलिस निरीक्षक मदन कांबले और उनकी क्राइम ब्रांच यूनिट ७ की टीम को वाघोली पुलिस स्टेशन के इलाके में गश्त के दौरान मिली। पुलिस अधिकारी नितिन धाडगे को गोपनीय सूचना मिली थी कि दोपहिया वाहन चोरी के मामलों में दर्ज दो आरोपी वाघोली के ब्याफ रोड पर संदिग्ध रूप से रह रहे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जाल बिछाकर अरसलान तंबोली और सिद्धांत वाघमारे को गिरफ्तार कर लिया। शुरू में उन्होंने मोटरसाइकिल के बारे में गोलमोल जवाब दिए। हालांकि, गहन पूछताछ के बाद उन्होंने कबूल किया कि बाइक चोरी की थी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने अपने साथी अरमान तंबोली और कानूनी परेशानी में फंसे एक बच्चे की मदद से पुणे के विभिन्न हिस्सों से ५ और मोटरसाइकिलें चुराई थीं। इस सफल अभियान के परिणामस्वरूप, पुलिस लोहेगांव, लोनी कालभोर, शिकरापुर, विश्रांतवाड़ी और भोसारी पुलिस थानों में कुल ६ चोरी के मामलों का पर्दाफाश करने में सक्षम हुई है। पुलिस ने इस गिरोह से ६ मोटरसाइकिल और ४ मोबाइल फोन सहित कुल ४ लाख ९५ हजार रुपये मूल्य का कीमती सामान जब्त किया है। यह सफल अभियान क्राइम ब्रांच यूनिट ७ की एक टीम द्वारा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) तेजस्वी सतपुते, पुलिस उपायुक्त (अपराध) गौहर हसन और सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) राजेंद्र मुलिक के मार्गदर्शन में और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संतोष सोनावाने के निर्देशों पर चलाया गया। इस टीम में एसपीओ मदन कांबले, पुलिस अनमलदार सारंग दले, प्रशांत कपूरे, विनायक साल्वे, नीलेश साल्वे, नारायण लांडे, गिरीश नानेकर, ऋषिकेश ताकवाने, सुहास तांबेकर, भरत गुंडवाड, नितिन धाडगे, किरण पालंदे, समाधान पाटिल, नेहा तापकिर, सोनाली नरवाडे और प्रतीक्षा पानसरे शामिल थे।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)